(c) and (d) There are thirteen multipurpose projects (long term measures) identified in the Master Plans prepared by the Brahmaputra Board. Detailed Project Reports for two multipurpose projects namely Pagladiya and Tipaimukh have been completed by the Board and technically cleared by this Ministry. Other projects are under investigation.

For projects on Subansiri investigation at three alternate sites and preparation of Detailed Project Report are scheduled to be completed by the end of Tenth Five Year Plan. Implementation of Tipaimukh Project is held up in the absence of agreement amongst the concerned States of Manipur, Mizoram and Assam.

अमरीका के साथ बातचीत

*166. **प्रो॰ रामगोपाल यादव:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अगस्त के तीसरे सप्ताह में भारत सरकार के विशेष प्रतिनिधि और संयुक्त राज्य अमरीका के विदेश उपमंत्री के बीच कोई बातचीत हुई थी;

(ख) यदि हां, तो यह बातचीत किस तारीख को और किस स्थान पर हुई थी तथा इस बातचीत के कितने दौर हुए;

(ग) उक्त वार्ता का ब्यौरा और निष्कर्ष क्या रहा और भारत सरकार की उक्त वार्ता पर क्या प्रतिक्रिया है; और

(घ) अमरीका के साथ प्रतावित भावी बातचीत का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है?

विदेश मंत्री (श्री जसवंत सिंह): (क) हम जून, 1998 से ही अमरीका के साथ अविरल वार्ता करते रहे हैं। यह वार्ता योजना आयोग के उपाध्यक्ष श्री जसवंत सिंह और अमरीकी डिप्टी सेक्रेट्री ऑफ स्टेट श्री स्ट्रोब तालबोत के जरिए संचालित की जा रही है। अब तक वार्ताओं के छह दौर संपन्न हो गए हैं। अगस्त माह के तीसरे सप्ताह में वार्ताओं का चौथा दौर संपन्न हुआ।

(ख) यह वार्ता 20 से 21 अगस्त तक वाशिंगटन में सम्पन्न हुई थी। 29 अगस्त, 1998 को न्यूयार्क में एक संक्षिप्त अनुवर्ती बैठक भी संपन्न हुई थी।

(ग) ये वार्ताएं उन विस्तृत प्रस्तावों के आधार पर संचालित की जा रही हैं जिन्हें भारत ने निरस्त्रीकरण और अप्रसार मसलों पर प्रस्तुत किए हैं तथा जिनमें विस्फोटक नाभिकीय परीक्षणों संबंधी हमारा एकपक्षीय स्थगन, इस स्थगन को एक विधिक दायित्व में परिवर्तित करने के लिए चर्चा करने की हमारी इच्छा, विखण्डनीय सामग्री निषेध संधि संबंधी रचनात्मक वार्ता करने का हमारा प्रस्ताव तथा संवेदनशील प्रौद्योगिकियों के निर्यात संबंधी कठोर नियंत्रण की हमारी नीति की पुनः पुष्टि करना शामिल है।

इस बातचीत में कुछ प्रगति हुई है। भारत ने अपनी सुरक्षा चिन्ताओं तथा भारत के लिए एक न्यूनतम विश्वसनीय नाभिकीय निवारक को आवश्यकता से अवगत करा दिया है। अमरीका ने भारत की हित-चिन्ताओं और आवश्यताओं के प्रति एक सीमा तक सहमति दिखाई है।

वार्ताओं के इन दौरों के पश्चात्, इन वार्ताओं को चार मसलों तक सीमित कर दिया गया है जो मुख्य रूप से उन प्रस्तावों पर केन्द्रित है जो हमने प्रारम्भ में पेश किए थे। ये मसले हैं: सी टी बी टी, एफ एम सी टी, निर्यात नियंत्रण और रक्षा स्थिति।

(घ) इन वार्ताओं के दो दौर अगस्त 1998 के पश्चात् सितम्बर (21) और नवम्बर (19-20) को क्रमशः वाशिंगटन और रोम में संपन्न हुए थे। इसके अतिरिक्त, चालू वार्ता के रूप में 9-10 नवम्बर, 1998 को नई दिल्ली में निर्यात नियंत्रण के मसले पर भी एक विशेषज्ञ स्तर की बैठक संपन्न हुई थी। दोनों पक्ष इस वार्ता प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाने के लिए जनवरी, 1999 के दूसरे पखवाड़े में नई दिल्ली में बैठक करने के लिए सहमत हुए हैं।

Flooding of North Bihar by Koshi Dam and Barrage of Bhuminagar

*167. SHRI JAGDAMBI MANDAL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Koshi Dam and barrage of Bhuminagar having 56 slice gates when opened during the rainy season is flooded about all round the